सालाना रिपोर्ट

1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018

युवा लड़कियों एवं महिलाओं का नेतृत्व विकास

SADBHAVANA TRUST

सूची

क्र.स.		शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.		संस्था का परिचय	3
2.		संस्था की मुख्य विशेषतांए	4 – 9
	क.	युवा महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम	
	ख.	महिला फिल्म स्टूडियो एवं मोहल्ला फिल्मिस्तान	
	ग.	उभरती समुदायिक महिला नेत्रियां	
	घ.	महिला हिंसा के ख़िलाफ उठते कदम	
	ड़.	युवा मेला एवं विशेष कार्यक्रमों का आयोजन	
3.		संस्थागत विकास	9 – 12
4.		सांस्कृतिक कार्यक्रम	13 – 13
5.		परिणाम	14
6.		उपलब्धियां एवं नई पहल	15 – 16
7.		चुनौतियां	17
8.		फिल्मों का लिंक	18
9.		सहयोगी संस्था	18

1. संस्था का परिचयः

सद्भावना ट्रस्ट की स्थापना 1990 मे दिल्ली में स्थानीय सक्रिय कार्यकर्ताओं के एक ऐसे समूह द्वारा की गई जो जेण्डर एवं समानता के सिद्धान्तों पर विश्वास करते हैं। और इस संस्था के पंजीकरण के 20 साल पहले से वे दिल्ली में वंचितों के साथ काम कर रहे थे। सद्भावना ट्रस्ट का उद्देश्य हैं, स्थानीय नेतृत्व ख़ास तौर पर महिलाओं एवं हाशिये पर खड़े समूहों की क्षमता का विकास करना।

सद्भावना ट्रस्ट 2009 से लखनऊ शहर की बस्तियों में वंचितों के साथ काम कर रही हैं। संस्था खासकर लड़कियों और महिलाओं के साथ जेण्डर आधारित हिंसा और व्यक्तित्व विकास पर नज़रिया निर्माण करके उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में लाने का काम करती है। साथ ही लड़कियों और महिलाओं में तकनीकी कौशल का विकास करते हुए उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने पर ज़ोर देती है। इसी कड़ी में संस्था समुदाय में महिला हिंसा के मुद्दे पर कानूनी पैरवी एवं महिलाओं को फिर से अपनी ज़िंदगी शुरू करने में मदद करने का काम करती हैं, ताकि महिलाओं की सामाजिक कामों में भागीदारी सुनिश्चित हो और वे अपने अधिकारों के बारे में जानें।

2. संस्था की मुख्य विशेषतांए

क. युवा महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रमः

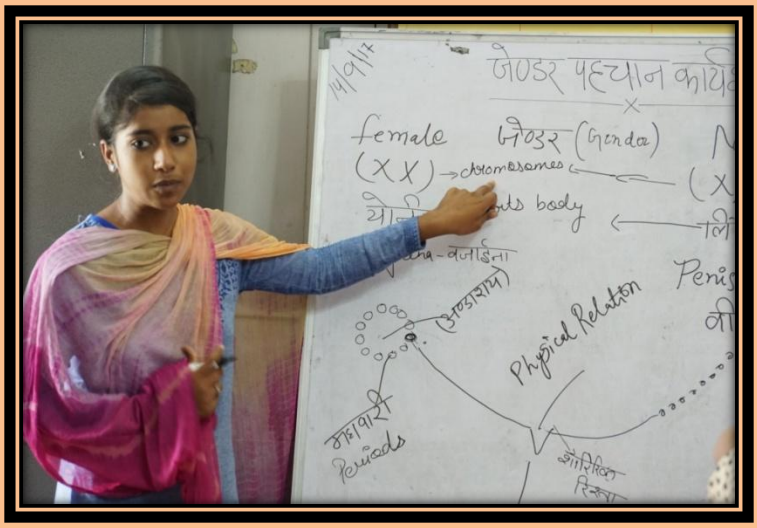

सद्भावना टस्ट, ए.जे.डब्लू.एस. के वित्तीय सहयोग से हाशियें पर खड़ी महिलाओं के सशक्तिकरण व नेतृत्व विकास के मुद्दे को केन्द्र में रखते हुये, इस कार्यक्रम में महिलाओं के साथ जेण्डर, पहचान व नेतृत्व प्रशिक्षण की प्रक्रिया चला रही हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में न केवल प्रतिभागियों की सामाजिक, आर्थिक व शिक्षा के मुद्दों पर समझ बढ़ाई जाती हैं बल्कि अपने क्षेत्र में काम करने का व्यवहारिक ज्ञान और उनका तकनीकी क्षमता निर्माण भी किया जाता हैं। कार्यक्रम के तहत की गई प्रक्रियाओं का विवरण नीचे प्रस्तुत किया गया हैं।

कार्यक्रम हेतु युवा महिलाओं से सम्पर्क एवं चयन प्रक्रिया–

वर्ष 2017– 18 में नेतृत्व विकास कार्यक्रम में लड़कियों को जोड़ने के लिए लखनऊ शहर के 7 वॉर्ड के 12 मोहल्लों (गढ़ी कनौरा, हुसैनाबाद, बासमंडी, ख़दरा, डालीगंज, चौक, कैम्पल रोड, शहादतगंज, निशातगंज, नरही, ठाकुरगंज और ऐशबाग) से 24 लड़कियों का चयन किया गया। यह चयन प्रक्रिया तीन चरणों में सम्पन्न करने के उपरान्त एक वर्षीय कार्यक्रम को संचालित किया गया। इस दौरान संचालित कार्यक्रम से कुल 20 लड़कियां जुड़ी हुई हैं। इनमें से 4 लड़कियां अपने व्यक्तिगत कारणों से इस कार्यक्रम से नही जुड़ पाई।

नेतृत्व विकास कार्यक्रम के मुख्य चार चरण हैं जिसको लड़कियों एवं महिलाओं ने एक वर्ष में पूर्ण किया हैं।

पहला चरणः नज़रिया निर्माण प्रशिक्षण–

इस प्रक्रिया को दो **दिवसीय प्रशिक्षण** के रूप में प्रत्येक माह लखनऊ में स्थित संस्था के कार्यालय में संचालित किया गया। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से नारीवादी नज़रिये से जेण्डर, पहचान, गैरबराबरी, शिक्षा,

पितृसत्ता, गतिशीलता, कानून, समुदाय के उभरते मुद्दे, व्यक्तित्व विकास, महिला हिंसा, सम्प्रेषण और क्षेत्र में मुद्दें की पहचान कर उस पर कदम उठाने की क्षमताओं पर समझ बनाई गई।

दूसरा चरणः कम्प्यूटर व सूचना तकनीकी प्रशिक्षण–

नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अनुसार लड़कियों एवं महिलाओं के साथ दो चरण में कम्प्यूटर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 20 लड़कियां शामिल हुई। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी दी गई, जिसमें माइक्रो सॉफ्ट वर्ड की पूर्ण जानकारी, पावर प्वाइंट, विकिपीडिया, इमेज इंसर्ट, गूगल सर्च इंजन, जीमेल खाता और हिन्दी– इंग्लिश टाइपिंग की जानकारी दी गई। इस प्रकार लड़कियों और महिलाओं को कम्प्यूटर व सूचना तकनीकी से जोड़ा गया। सीखी हुई तकनीकी जानकारी से महिलाओं और लड़कियों की सामुदायिक सुविधाओं/योजनाओं तक पहुँच बनी और वह सोशल मीडिया से जुड़ पाई।

तीसरा चरणः क्षेत्र कार्य/फ़ील्ड एक्सपोजर–

प्रतिभागियों को प्रत्येक माह सीखे अनुभव के आधार पर उनके मोहल्लों में काम करने के लिए एक प्रोजेक्ट दिया गया, जिसमें उन्होंने अपने क्षेत्र के बारे में पूरी जानकारी के साथ– साथ समुदाय के समस्याग्रस्त मुद्दों को चिन्हित करके उन मुद्दों पर लोगों का ध्यान केन्द्रित किया। साथ ही अपने मोहल्ले की समस्याओं को लेकर प्रशासन तक अपनी गुहार लगाई। इस प्रक्रिया से उन्हें क्षेत्रीय स्तर पर काम करने का व्यवहारिक अनुभव मिला और उनका आत्मविश्वास बढ़ा हैं। लड़कियां प्रतिमाह अपने अनुभव को मासिक बैठक के माध्यम से संस्था के साथ साझा करती हैं।

चौथा चरणः फिल्म मेकिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी–

यह एक अनूठी कार्यशाला है जो कि नज़रिया निर्माण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कार्यशाला के माध्यम से तकनीकी जानकारी में युवा लड़कियों एवं महिलाओं को दो चरणों में वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की कार्यशाला से जोड़ा गया, जिसमें लड़कियों ने मुद्दें आधारित फिल्में बनाई। इस जानकारी से उन्होंने मीडिया व तकनीकी हुनर को अपने सम्प्रेषण का माध्यम बनाया और समुदाय एवं समाज के उभरते मुद्दे को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करते हुये ज़मीनी हक़ीकत और संबधित मुदद्ों की तरफ़ समुदाय और प्रशासन का ध्यान केन्द्रित किया ।

ख. महिला फिल्म स्टूडियो एवं मोहल्ला फिल्मिस्तानः

सनतकदा फिल्म स्टूडियो की स्थापना 2012 से सद्भावना ट्रस्ट के बैनर तले लखनऊ में हुई, जिसे नेतृत्व विकास समूह से निकली मुस्लिम लड़कियाँ और महिलाएं चला रही हैं। **सनतकदा फिल्म स्टूडियो** का उद्देश्य है कि वह अपने लखनऊ शहर के अन्दर महिला मीडिया के रूप में एक अलग पहचान बनायें।

फिल्म शूटिंग एवं एडिटिंग–

अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक सनतकदा फिल्म स्टूडियो ने 11 ऑर्डर की फिल्मों को शूट किया हैं, और 15 ऑर्डर की फिल्मों की एडिटिंग की हैं। साथ ही अपनी क्षमता अनुसार ख़बर लहरिया (महिला मीडिया न्यूज़ ट्रस्ट) के तहत प्रतिमाह 20 न्यूज़ एडिट करने का काम किया हैं। अब तक कुल 204 न्यूज़ एडिट की

हैं। इस पूरे साल में फिल्म स्टूडियों ने वित्तीय स्थिति में सुधार करते हुये अपनी सालाना इनकम में बढ़ोत्तरी की हैं।

मोहल्ला फिल्मिस्तान–

यह पहल भी नज़रिया निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो फिल्म स्टूडियो द्वारा बनाई डॉक्युमेंट्री फिल्म व हिन्दी फिचर फिल्म का प्रर्दशन करता हैं। मोहल्ला फिल्मिस्तान हेतु दो क्षेत्र (गढ़ीकनौरार, कैम्पल रोड) स्थाई रूप से चिन्हित किये गये हैं। फिल्मिस्तान में इस वर्ष सात हिन्दी फीचर फिल्म और चार डॉक्युमेंट्री (बजरंगी भाईजान, मेरे हुजूर, चाँद बीबी, आर.टी.आई, मैडली, देव, सायरा की कहानी बुर्क़ा, मर्दानी, क्वीन, रिहाई,) फिल्मों का प्रर्दशन किया गया। पहले की अपेक्षा फिल्मिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की संख्या बढ़ी हैं, और वह फिल्मों की चर्चा में जुड़ने लगी हैं।

फिल्म स्टूडियो का क्षमता विकास एवं अपनी क्षमताओं का आदान प्रदान–

सनतकदा फिल्म स्टूडियो के साथियों ने स्वयं की क्षमता को मज़बूत करने के लिए अलग– 2 कार्यशालाएं ग्रहण की। जैसे– फोटोग्राफी वर्कशॉप, वॉईस रिकॉर्डिंग, ऑडियो साउन्ड, डिजिटल स्टोरी वर्कशॉप, एडवांस लेवल शूटिंग और अडोब प्रीमियर प्रो CS6 की एडिटिंग वर्कशॉप, अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित फिल्म फेस्टिवल में भागीदारी, बाहरी संस्थाओं का एक्सपोजर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी फिल्मों का प्रर्दशन। फिल्म स्टूडियों के साथियों ने किया संस्था द्वारा आयोजित सेल्फ अकादमी में दस दिवसीय बेसिक फिल्म मेकिंग वर्कशॉप को फैसिलिटेट किया। साथ ही सद्भावना ट्रस्ट द्वारा चल रहे नेतृत्व विकास कार्यक्रम में लड़कियों को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की ट्रेनिंग दी।

ग. समुदाय आधारित कार्यक्रमः

समुदाय में उभरती महिला नेत्रियां (YWL)–

सद्भावना ट्रस्ट द्वारा 7 वार्ड की 10 बस्तियों में "**ग्लोबल फंड फॉर विमेन**" के वित्तीय सहयोग से युवा लड़कियों एवं महिलाओं को युवा महिला नेतृत्व के रूप में उभारने का काम किया जा रहा हैं। जिसका

उद्देश्य हैं समुदाय के बीच महिलाओं का नेतृत्व बढ़ाना। जिससे महिलाओं के नेतृत्व में समुदाय के लोगों को सरकारी जनसुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ मिले। साथ ही महिलाओं एवं लड़कियों का अन्य संस्थाओं व प्रशासन के संचालन में भागीदारी को बढ़ाना और उनको लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना जिससे वे मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

महिलाओं के साथ मोहल्ला मीटिंग–

संस्था द्वारा पिछले 12 माह में 7 वार्ड के 25 बस्तियों में मोहल्ला मीटिंग और फिल्म प्रर्दशन किया गया। इस दौरान संस्था द्वारा समुदाय की महिलाओं एवं लड़कियों को जागरूक करने व उनका नज़रिया बनानें हेतु उनके साथ, जेण्डर, पहचान, प्रजनन स्वास्थ्य, पसन्द न पसन्द, गतिशीलता, सत्ता, पितृसत्ता, एवं समुदाय के उभरते मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

समुदाय स्तर पर महिलाओं का क्षमता विकास–

समुदाय की महिलाओं के साथ संगठन निर्माण हेतु 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में अलग–अलग बस्तियों से चयनित 35 महिलाएं शामिल हुई। इसके अतिरिक्त बस्ती से नेतृत्व में उभरी महिलाओं की जनसुविधाओं से जुड़े स्टेक होल्डरों के साथ बैठके कराई गई। पिछले वर्ष समुदाय की जिन 7 लड़कियों ने अपनी ड्राइविंग कार्यशाला पूरी कर ली थी, उनमें से पांच लड़कियों ने अपने लर्निंग कार्मशियल लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया है। लाइसेंस मिलने के उपरान्त उन लड़कियों को लोन पर सरकार द्वारा ई– रिक्शा दिया जायेगा।

मोहल्ले में सांस्कृतिक कार्यक्रम–

लखनऊ की पुरानी साझी संस्कृति को जिंदा रखने और बस्ती से सभी धर्म व जाति की महिलाओं, और लड़कियों को एक मंच पर लाने हेतु समुदाय मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समुदाय के तीन क्षेत्रों में (राधाग्राम, गढ़ीकनौरा, कैम्पल रोड) रोज़ा इफ्तार और सावन का त्योहार मनाया गया। महिलाओं का एक्पोजर हेतु उन्हें सनतकदा के सालाना महोत्सव से भी जोड़ा गया, जिससे उनकी हर धर्म की संस्कृति और रीति रिवाज़ के बारे में समझ बनी।

निशुल्क शिक्षा से मिला लाभ–

पिछले एक साल में समुदाय से निकली महिलाओं के ज़रीये राज्य सरकार द्वारा आयोजित निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत 120 बच्चों का एडमीशन कराया गया। जिसके अर्न्तगत कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही हैं।

शिक्षा हेतु अनुदान /स्कॉलरशिप एवं मेडिकल सहयोग–

सद्भावना ट्रस्ट के तहत समुदाय में एकल महिलाओं के बच्चों को पढ़ाई हेतु स्कॉलरशिप दी गई है। स्कॉलरशिप से अब तक कुल 24 बच्चें लाभ पा रहे है। स्कॉलरशिप के लिये चयन प्रक्रिया हेतु 60 प्रतिशत लखनऊ के बच्चें और 40 प्रतिशत लखनऊ से बाहर के बच्चों को लिया गया है। इनमें से 15 लड़कियां जो इस साल फस्ट डिविज़न पास हुई हैं, एक लड़की ने पूरे स्कूल में टॉप किया हैं। 3 लड़कियां जो पूरी क्लास में फस्ट आई हैं और 5 लड़कियां सेकेण्ड डिविज़न पास हुई हैं।

संस्था द्वारा मेडिकल सहयोग–

वर्ष 2017–18 में संस्था द्वारा समुदाय से 5 व्यक्तियों को लम्बी बीमारी में सहयोग किया गया।

घ. महिला हिंसा के ख़िलाफ उठते कदमः

सद्भावना ट्रस्ट **नारी बंदी निकेतन** और **"ज़िला कारागार"** लखनऊ में 2010 से कार्य कर रहा है। संस्था महिलाओं को हिरासत से छुड़वाने में मदद करती है जैसे– महिलाओं के केस में कानूनी पैरवी करना, महिलाओं को कानूनी जानकारी देकर जेल से बेल पर रिहा करवाना, जेल से निकली महिलाओं का पुर्नवास करना, महिलाओं को अत्मनिर्भर बनाने हेतु सशक्त करना जिससे वे अपने हुनर का प्रयोग कर अपना जीवन यापन कर सकें। साथ ही लखनऊ शहर की बस्तियों से निकले महिला हिंसा के केसों पर महिलाओं को कानूनी सहायता देना और उनका सशक्तीकरण करते हुये सामाजिक मुद्दों पर उनका नज़रिया बनाना।

समुदाय से आयें केसों का आंकड़ा–

एक अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक संस्था के अंदर महिला हिंसा के कुल 24 केस आये हैं, जिस पर संस्था द्वारा कानूनी पैरवी की जा रही हैं।

बटिया केस–

- बलात्कार के केस में विपक्षी को आजीवन करावास की सजा दिलवायी गयी। लड़की की स्थिति को देखते हुए, लड़की को नर्सिंग की पढ़ाई हेतु हॉस्टल में एडमिशन कराया गया। जिसके लिए संस्था द्वारा लड़की को आर्थिक मदद की जा रही है।
- बलात्कार के एक केस की अपील हाई कोर्ट में किया गया है।
- दहेज उत्पीड़न का एक केस जो गोण्डा के कोर्ट में चल रहा है, इस केस में ससुराल पक्ष को रिकवरी आर्डर भेजा गया है।

3. संस्थागत विकास

संस्था एवं बाहरी संस्थाओं द्वारा क्षमता विकास–

कार्यक्रम रिव्यू– सद्भावना ट्रस्ट द्वारा संचालित कार्यक्रम का रिव्यू करने हेतु रिव्यू विशेषज्ञ को आमंत्रित किया गया। उनके द्वारा किये गये रिव्यू प्रक्रिया से हमारे काम में काफी बदलाव आया जैसे– हमने अपना डॉक्यूमेंटेशन व्यवस्थित किया, पांच साल पहले बैच की लड़कियों का रिकॉर्ड व्यवस्थित किया और आकड़े निकाले गये। जैसे हमारे द्वारा दी गई कार्यशालाओं से लड़कियों में क्या बदलाव आया? आज वो कहॉ है? अपने कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए उसमें क्या नयी चीज़े जोड़नी है? या कुछ हटाना है? हमने सुझाव को लेते हुये नेतृत्व विकास कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियों का आंकलन एवं इम्पैक्ट स्टडी करने का प्लान किया हैं जो आगामी वर्ष में संचालित किया जायेगा।

व्यक्तिगत रिव्यू– सद्भावना ट्रस्ट टीम के साथ व्यक्तिगत रिव्यू प्रक्रिया का आयोजन किया गया। इस रिव्यू को फैसिलिटेट करने के लिए रिव्यू विशेषज्ञों (दो व्यक्तियों) को अमंत्रित किया गया। सन्दर्भ व्यक्तियों ने

रूचिकर गतिविधियों के माध्यम से टीम के बीच रिव्यू की प्रक्रिया चलाई। प्रक्रिया के उपरान्त खुला सत्र के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को उनकी मज़बूतियों और कमज़ोरियों से परिचित कराया। रिव्यू प्रक्रिया बहुत ही सहजता के साथ सम्पन्न हुई और सबने एक दूसरे के सुझाव को लेते हुये अपनी चुनौतियों पर काम करने की रणनीतियां तैयार की। इसी रिव्यू से कार्यकर्ताओं की क्षमताओं को देखते हुये मानदेय बढ़ोत्तरी का निर्णय लिया गया।

समुदायिक रिव्यू– संस्था द्वारा समुदाय में चल रहे कार्यक्रम और जुड़ाव का आंकलन करने हेतु दो सन्दर्भ व्यक्तियों (सामाजिक कार्यकर्ताओं) को अमंत्रित किया गया। जिसमें उन्होंने सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में हर क्षेत्र में जाकर भ्रमण किया और वहां के स्टेक होल्डरों से मिलकर संस्था का समुदाय में पहुंच, पहचान व गुणवत्ता के बारे में समझा। और एक रिपोर्ट के माध्यम से हमें हमारी क्या मज़बूतियां है और क्या कमज़ोरियां हैं उस पर बेहतर सुझाव दिया।

बोर्ड सदस्यों द्वारा बैठक– वित्तीय वर्ष 2017 और 18 के दौरान बोर्ड सदस्यों द्वारा संस्थागत रूप से 4 बैठक की गई। इन बैठकों में संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रम, वित्तीय स्थिति, नये प्रापोज़ल, सिस्टम, टीम की क्षमता विकास, नये साथियों का चयन और निष्कासन जैसे मुद्दों पर चर्चा करके निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त ट्रस्टीज़ ने संस्थागत रूप से अपनी अलग–अलग ज़िम्मेदारियां तय की, जिससे संस्था को सक्रिय रूप से चलाया जा सके।

यौन उत्पीड़न समिति बैठक– कार्य स्थल पर होने वाली यौन हिंसा अधिनियम 2013 के अन्तगर्त कानूनी पैरवी करने हेतु, संस्था द्वारा यौन उत्पीड़न समिति का गठन किया गया। जिसमें 5 व्यक्तियों को समिति के लिए चिन्हित किया गया था। और यह तय किया गया था कि यह समिति संस्था में किसी प्रकार की यौनिक हिंसा होने पर निरक्षण करेगी तद्पोरान्त दोशी के ख़िलाफ सख्त कार्यवाही करेगी। परन्तु इस वर्ष भी यौन उत्पीड़न का कोई भी मुद्दा संस्था के संज्ञान में नही आया हैं।

क्रय– विक्रय समिति का गठन – संस्था में नये सामानों की खरीदारी (5000 से ऊपर) हेतु तीन व्यक्तियों की समिति बनाने का निणर्य लिया गया। जिसके तहत तय किया गया कि संस्था के लिए नये सामानों के प्रस्ताव पर बजट को ध्यान में रखते हुये यह समिति स्वीकृति देगा। किसी भी यूनिट द्वारा सामान को खरीदने के पूर्व तीन दुकानों से कोटेशन लाकर क्रय – विक्रय समिति को प्रस्तुत करना होगा उसके उपरान्त यह समिति चर्चा करके निणर्य लेगी। इसी तरह संस्था का कोई भी पुराना सामान या रद्दी बेचने के पहले समिति को सूचित करना अनिवार्य होगा।

इंग्लिश क्लास– वित्तीय वर्ष 2017 – 2018 में इनलिंगुआ दिल्ली ने हमारे साथ इंग्लिश का बेसिक और एडवांस कोर्स शुरू किया, जिसके लिए उन्होंने हमारे साथ 6 हफ्ते का क्लास किया। पूरे कोर्स में कुल 34 व्यक्तियों ने अपनी सहभागिता की। इस बार इंग्लिश क्लास में समुदाय की 10 नई लड़कियां जुड़ी जो लीडरशिप बिल्डिंग प्रोग्राम से जुड़ी थी और हमारा पूरा स्टाफ जिन्होंने पहले से कुछ क्लासेस ली थी। पहले की अपेक्षा स्टाफ अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग मैसेज और अपने बोल– चाल की भाषा में कर रहे हैं।

डिजिटल/मैसेज फॉरवर्ड कार्यशाला– प्वॉइंट ऑफ व्यू संस्था द्वारा सद्भावाना ट्रस्ट में दो दिवसीय **फेमिनिस्ट डिजिटल कार्यशाला** आयोजित की गई। यह कार्यशाला जेण्डर और यौनिकता पर आधारित थी। इस कार्यशाला को मुम्बई के सन्दर्भ व्यक्तियों ने संचालित किया। कार्यशाला में सद्भावाना ट्रस्ट से सभी साथियों ने सहभागिता की। फेमिनिस्ट डिजिटल कार्यशाला में हम लोगों को व्हाट्सऐप्प फॉवर्ड मैसेज को

पढ़कर एक सोच और नज़रिये के साथ उसका जवाब देने का तरीका बताया गया। कहा गया कि खुद से सोचें और एक ऐसा मैसेज बनाये जो लोगों तक पहुँचते ही वह फॉरवर्ड करने के बारे सोचें, और यह मैसेज थोड़ा रचनात्मक तरीके से बना हो जिसे लोग ना चाहते हुए भी फॉरवर्ड करें।

संस्थागत विकास कार्यशाला– सद्भावना ट्रस्ट के तहत संस्था का आन्तरिक सिस्टम व्यवस्थित करने के लिए ओ0 डी0 ट्रेनिंग का अयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने विज़न मिशन के साथ संस्था के मूल्यों को पहचाना। इस कार्यशाला में तीन मुख्य गतिविधियाँ कराई गई। (संस्था के ढ़ाचे को समझने के लिए स्टार गतिविधि, संस्था के नियम को समझने और लागू करने के लिए सिस्टम गतिविधि और स्टाफ का एक दूसरे के प्रति व्यवहार और मूल्यों को समझने के लिए व्यवहार गतिविधि) उपरोक्त गतिविधियों से साथियों को संस्था के मूल्य और उद्देश्य के बारे में पुनः जानने का मौका मिला। ओ0 डी0 ट्रेनिंग के द्वारा लोगों का आत्मविश्वास बढ़ने के साथ– साथ सिस्टम मे किस तरह से काम करना चाहिए इसकी समझ बनी और उनके जानकारी के स्तर में बढ़ोत्तरी हुई।

मार्शमैलो कार्यशाला– संस्था के संस्थागत विकास हेतु पूरे स्टाफ के साथ मार्शमैलो गतिविधि कराई गई। इस गतिविधि में सामूहिक प्रक्रिया के तहत मार्शमैलो टावर बनाने का काम दिया गया जिसमें यह देखना था कि किसका टावर सबसे ऊंचा बना। इसी तरह साथी अपना टावर सबसे ऊंचा बनाने के चक्कर में कोआर्डिनेशन, टीम प्रबंधन, लीडरशिप, क्षमता, दिशा निर्देशन आदि को फोकस नही कर पायें। इससे टीम को अहसास हुआ कि हम अपने संस्थागत कामों में भी इसी तरह की चीज़े फोकस नही कर पाते, जिससे इस कमज़ोरी का असर हमारे पूरे काम पर पड़ता हैं।

नज़रिया निर्माण कार्यशाला– वित्तीय वर्ष 2017 –18 में संस्था द्वारा महिला मुद्दे पर चार ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग को मुम्बई से आई महिला मुद्दे की वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा संचालित किया गया। ट्रेनिंग के दौरान बदलते माहौल, महिलाओं पर पड़ने वाले असर, रोज़गार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, दहेज उत्पीड़न 498ए और महिलाओं की पहचान पर गहराई से चर्चा करके समझ बनाई गई।

जेण्डर एटवर्क द्वारा ओ0 डी0 कार्यशाला– पूरे साल में जेण्डर एटवर्क नेटवर्क द्वारा ओ0 डी0 की तीन कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। सद्भावना ट्रस्ट की तरफ से दो साथी इस कार्यशाला से लगातार जुड़े रहे है। इस कार्यशाला में पांच (साकार, सद्भावना ट्रस्ट, वनांगना, विकल्प, एमएसएसके) संस्थाओं से वह लोग स्थाई रूप से जुड़े हैं जो अपनी संस्था में नेतृत्व की भूमिका में हैं। इस कार्यशाला को जेण्डर एटवर्क के प्रमुख ने फैसिलिटेट किया। कार्यशाला बहुत ही रूचिकर थी और हर प्रतिभागी को यह सोचने पर मजबूर कर रही थी कि हम अपनी संस्थाओं को कैसे बेहतर बना सकते हैं।

उपरोक्त कार्यशाला में हमने संस्थागत और व्यक्तिगत लीडरशिप, पारदर्शिता, स्वामित्व, उभरते मुद्दों की पहचान करना, आपसी रिश्ता, ज़िम्मेदारी, निगरानी आदि चीज़ों पर मुख्य तौर पर अपना नज़रिया बनाया। यही नही इस कार्यशाला में कई ऐसी गतिविधियां कराई गई जो संस्था के अन्य साथियों को एक साथ और संगठित होकर कार्य करने की प्रेरणा देती हैं।

नेपाल देश में आयोजित प्रशिक्षण में भागीदारी–

सद्भावना ट्रस्ट की तरफ से एक साथी प्रतिनिधित्व करने हेतु **"नारीवादी युवा महिला नेतृत्व"** सम्मेलन में शामिल हुई। यह परामर्श सम्मेलन क्रिया द्वारा आयोजित **साउथ एशियन यंग फेमिनिस्ट कोर्स** पर था। इस सम्मेलन में क्रिया द्वारा चल रहे फेमिनिस्ट लीडरशिप कोर्स को रिडिज़ाईन करने की कोशिश थी। इस पूरे कार्यक्रम में 5 देश के लोग शामिल हुये (नेपाल, पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश). शामिल लोगों ने अपने– अपने संस्था में चल रहे कार्यक्रम के तहत कई सुझाव दिये जो पूरे साउथ एशिया फेमिनिस्ट वीमेन की लीडरशिप को बढ़ाये और वो हर मुददे् पर अपना स्टैड ले सके।

स्वलेम प्रोग्राम के तहत नेपाल में टी0ओ0टी प्रशिक्षण–

ग्लोबल फंड फॉर वीमेन द्वारा चल रहे स्वलेम कार्यक्रम के तहत संस्था के एक साथी को टी0ओ0टी प्रशिक्षण में सहभागिता हेतु नेपाल में आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण में संस्था के साथी को समुदाय में युवा महिलाओं का संगठन/मंच बनाकर उनको लीडरशिप में लाने की क्षमता प्रदान की गई जिससे वह अपने कार्यक्षेत्र में महिलाओं को एकत्रित कर उनको आन्दोलनकारी बानाने का प्रयास कर रही हैं।

4. सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य है समाज में लुप्त हो रही सांस्कृति और पुरानें त्योहारों को वापस एक जगह पर लाना। ऐसा माहौल तैयार करना जहां सभी लोग एक समानता के साथ मिल जुलकर एक दूसरे के मज़हब और कल्चर को सम्मान दें। समाज मे हो रहे ऊंच– नीच और भेदभाव को खत्म करें। जिसके लिए सनतकदा ने एक पहल की है जहां पर अतरंग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जैसे– बैतबाज़ी, संगीत कार्यक्रम, पारम्परिक त्योहारों के साथ–साथ समाज मे चल रहे मौजूदा मुद्दों पर चर्चा के माध्यम से लोगों को एकजुट करना।

कार्यक्रम महिन्द्रा सनतकदा लखनऊ फेस्टिवल 2018–

महिन्द्रा सनतकदा लखनऊ फ़ेस्टिवल 2018 इस बार नई थीम ***फ़्रांसीसी अवधी ताल्लुक़ात*** के साथ आयोजित किया गया। 2 फ़रवरी से 6 फ़रवरी 2018 के दौरान यह फ़ेस्टिवल पूरे देश से बुनकरों और शिल्पकारों को प्रतिष्ठित इतिहासविद्, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साहित्यिक चर्चायें, संगीत, नृत्य और थिएटर के साथ पुरानी परंपरागत बैतबाज़ी और क़िस्सागोई के बेहतरीन प्रदर्शनों से सजी सांस्कृतिक शामें लेकर हाज़िर हुआ। हैरिटेज वॉक और कार टूर्वस से लखनऊ के जीवित इतिहास को एक नया नज़रिया देते हुये, और पाकशाला संबंधी हुनर अपनी छटा अवधी घर के बने खाने से सजी एक दोपहर में अन्य लखनवी गलियों से आई मिठास के साथ नज़र आईं। साथ ही बच्चों का कोना और **"खेल खेल में"** यूथ मेला ने जेण्डर संवेदनशीलता बढ़ाने वाले खेल की कड़ी जोड़ी और बच्चों का मनोरंजन करते हुए उन्हें अलग–अलग गतिविधियों से जोड़ा।

सनतकदा अड्डे द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम–

विगत वर्ष 2017– 2018 में सनतकदा के अड्डे में होने वाले कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है, जैसे– **25 बुक क्लब**, **15 कल्चरल कार्यक्रम** और **फिल्मिस्तान** के ज़रिये पूरे एक साल मे कुल **20 फिल्में** दिखाई गई। उपरोक्त गतिविधियों से सनतकदा कला और संस्कृति को पुनः जीवित करने वाली संस्था के नाम से पहचानी जाती हैं।

5. परिणाम

गतिविधियों से निकले परिणाम–

- लड़कियां एवं महिलाएं लिंग आधारित भेदभाव और पितृसत्ता के मानदंडों के मुद्दे पर अपने परिवार और समुदाय में संवाद शुरू कर रही हैं। नेतृत्व निर्माण की प्रक्रिया के माध्यम से उनके आत्मविश्वास के स्तर में बदलाव आया हैं। वह सीखने के लिए स्वतंत्र रूप से खुलकर सामने आ रही हैं।
- समुदाय में निशुल्क शिक्षा अभियान के तहत 120 गरीब बच्चों का प्राइवेट स्कूल में दाखिला कराया गया।
- सनतकदा फिल्म स्टूडियो ने इस वर्ष समुदाय के बीच चार बड़े फिल्म प्रदर्शन (आर.टी.आई. लखनऊ की रिहाईश, त्रियांक और तमन्ना) को स्वतंत्ररूप से आयोजित किया हैं।
- 19 एडवांस ग्रुप से जुड़ी लड़कियां रोज़गार से जुड़ पाई जैसे– 3 लड़कियों को शिक्षक के रूप में नौकरी मिली, 6 लड़कियां गैरसरकारी संस्था, 5 कॉल सेन्टर, 4 कौशल विकास केन्द्र में ट्रेनर हैं और एक अस्पताल मे नर्स हैं।
- 12 ड्रॉप– आउट लड़कियों का पुनः इंटर कालेज में प्रवेश कराया गया।
- तकनीकी जानकारी ने लड़कियों को अधिक आत्मविश्वास दिया हैं, अब वे अपने कामों में तकनीकी कौशल का अधिक से अधिक प्रयोग कर रही हैं।
- युवा मेला के ज़रिये हमने 2400 से अधिक छात्रों तक पहुंच बनाई। साथ ही 12 स्कूलों और 13 कॉलेजों के बीच संस्था की पहचान बनी।

6. उपलब्धियां एवं नई पहल

- सद्भावना ट्रस्ट के पिछले सभी कार्यक्रम के अनुभव से बनी सीख से हमने समुदाय कार्यक्रम में नया आयाम जोड़ने की कोशिश की हैं। जैसे– **"खेल–खेल में"** युवा मेला का आयोजन, सद्भावना ट्रस्ट ने यासीनगंज (200 लड़कियां शामिल), ज़िला बांदा (250 लड़कियां शामिल) और (2000 लड़के, लड़कियां शामिल) लखनऊ फेस्टिवल में किया। जिसका उद्देश्य था लिंग अधारित उत्पीड़न एवं भेदभाव, महिलाओं पर होने वाली हिंसा, महिलाओं के अधिकार एवं कानून, महिला स्वास्थ्य की जानकारी देना। खेल और मेले के माध्यम से युवाओं के बीच इन मुद्दों पर चर्चा करके यह जानने का प्रयास किया गया कि आज के युवा इन मुद्दों पर क्या सोच एवं धारणाए रखते है।

- नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत शहादतगंज के द इण्डियन अकाडमी स्कूल में "**मुमकिन हैं**" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में तकरीबन 80 महिलाएं एवं लड़कियां शामिल हुईं। कार्यक्रम में लड़कियों ने फोटोग्राफी, कम्प्यूटर, एडवांस कोर्स, छवि निर्माण, करियर काउन्सलिंग, फुटबॉल, एक्सपोज़र विज़िट, जेण्डर, पहचान एवं यौनिकता जैसे मुद्दों पर लिए प्रशिक्षण का अनुभव समुदाय के बीच साझा किया। कार्यक्रम के अंत में लड़कियों को उनकी माताओं और समुदायिक लीडरों के हाथों से संस्था ने उपहार के रूप में पुस्तक और सर्टिफिकेट वितरित कराये।
- महिला हिंसा पर कार्य कर रहे वरिष्ठ साथी द्वारा पिछले पांच साल के महिला हिंसा के केसों का पुनरावलोकन कराया गया। जिससे संस्था ने यह समझा कि आगे किस तरह की रणनीतियों के तहत महिला हिंसा के कार्य को ठोस रूप से ले जाना हैं।
- पिछले एक साल में सद्भावना ट्रस्ट ने अल्पसंख्यक और हाशिये पर खड़े समुदाय से महिलाओं के बीच नेतृत्व विकास निर्माण कार्यक्रम पर अपनी मज़बूती हासिल की हैं।

- नेतृत्व विकास कार्यक्रम से निकली लड़कियों में सम्प्रेक्षण की क्षमता बढ़ी है। लड़कियों ने घर में जल्द विवाह और जबरन विवाह रोकने के लिए आवाज़ उठाई है, और लड़कियों में जॉब करने की हिम्मत बढ़ी है।
- इस साल डोनेशन स्कॉलरशिप से पढ़ रही एक लड़की ने पूरे स्कूल में टॉप किया हैं।
- हमारी संस्था अन्य महिला संगठनों के साथ (ज़िला स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर, अंतरराष्ट्रीय स्तर) मिलकर सक्रिय नेटवर्क का हिस्सा बनने में सक्षम हो पाई हैं। जहां पर हम विभिन्न बैठको में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और अपने क्षेत्र के उभरते सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मुददों पर चर्चा कर रहे हैं।
- फिल्म यूनिट का स्थाई नाम स्थापित हुआ हैं, वर्तमान नाम हैं **"सनतकदा फिल्म स्टूडियो",** फिल्म स्टूडियो के साथियों की स्वयं की पहचान स्थापित हुई, अब उन्हें उनके नाम से जाना जाता हैं। फिल्म स्टूडियो के संसाधनों में बढ़ोत्तरी हुई हैं, जो उनके काम को गुणवत्ता पूर्ण करने में मदद कर रहा हैं।
- सनतकदा फिल्म स्टूडियो के साथी अब प्रशिक्षक के रूप में उभर कर निकल रहे हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी फिल्में दिखाने का मंच तैयार कर रहे हैं।
- फिल्म स्टूडियो ने अपनी वित्तीय स्थिति में पहले की अपेक्षा बढ़ोत्तरी की हैं, साथ ही उन्हें ख़बर लहरिया के साथ काम करने का मौका मिला हैं।

7. चुनौतियां

- बढ़ती महिला हिंसा की घटनाओं से लड़कियों और महिलाओं की गतिशीलता सीधे प्रभावित हो रही हैं, और लड़कियों के परिवारों के साथ उनकी गतिशीलता के बारे में बात करना चुनौतीपूर्ण हो गया हैं।
- हमने अपने काम के तहत समुदाय के भीतर गहरा विश्वास बनाया हैं, पिछले वर्षो में नेतृत्व कार्यक्रम में लड़कियों और महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि भी हुई हैं। परन्तु पिछले साल संस्था कुछ बाहरी कारकों और वर्तमान स्थिति के कारण प्रभावित हुआ हैं।
- सद्भावना ट्रस्ट का काम महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और गरिमा के साथ जीवन जीने एंव सशक्त बनाने के लिए केन्द्रित हैं, इस प्रकार ट्रिपल तलाक का मुद्दा सामने आने पर समुदाय धार्मिक कट्टरता को अपनाने की कोशिश करता है, जिससे महिलावादी संगठन होने के कारण हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं।
- संस्था में वित्तीय कमी होने के कारण लक्षित कार्यक्रम को संचालित करने में असफल रही हैं।

8. फिल्मों के लिंक

संस्था द्वारा यूट्यूब चैनल पर प्रकाशित फिल्मों की लिंक

Himmat Film ------ https://youtu.be/bud_NDQKNmg

Rubeena Ka Safar Film----- https://youtu.be/auUzw2I5Bko

Bandish-E-Bahaw Film ----- https://youtu.be/4wBGQNVXCbU

Humein Hai Dum Film----- https://youtu.be/j2n-1N7r-HM

French hair style ---------- https://youtu.be/9q9ZX50whAg

Haji sahab sikke wale ---------- https://youtu.be/v4Z5KKOp0rs

Ravi Chat wale ---------- https://youtu.be/g2R3XkI-QEw

9. सहयोगी संस्थाः

- ए0जे0डब्ल्यू0एस (न्यूयॉर्क)
- ग्लोबल फंड फॉर वॉमेन (यू.एस.ए)
- इनलिंगुवा (दिल्ली)